LEARNING AND TEACHING

स्मृति (Memory)

स्मृति का अर्थ (Meaning of Memory):-

प्राय: हम यह सुनते हैं कि अमुक व्यक्ति की स्मृति बहुत अच्छी है। अमुक व्यक्ति बार-बार भूल जाता है। कई व्यक्ति अपनी स्मृति में कई सूचनाओं को एक साथ रख लेते हैं। कई बार हम बचपन की बातों को स्मृति में ले आते हैं तो कई बार हम वर्तमान की बातों को भी भूल जाते हैं। कई घटनाओं को हम जीवनभर याद रखते हैं तो कई बार हम अपने निकटस्थ मित्रों के नाम भी भूल जाते हैं। यह सब स्मृति का खेल है।

स्मृति और विस्मृति हमारे दैनिक जीवन में नित्य प्रतिदिन होने वाले अनुभव के विषय हैं। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार स्मृति एक मानसिक प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत व्यक्ति सूचनाओं को सुरक्षित रखता है। जब हम किसी विषय को समझ लेते हैं और सीख लेते हैं तब मस्तिष्क इनकी सूचनाओं का भण्डारण कर लेता है और इन सूचनाओं का पुनरुद्धार सामान्यत: प्रत्याह्वान (Recall) के रूप में होता है। एक प्रकार से सूचनाओं का पुनरुद्धार ही स्मृति है।

स्मरण या स्मृति चिंतन, कल्पना, संवेदना आदि की तरह एक मानसिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा हम अपने किसी अतीतानुभव या शिक्षण को वर्तमान चेतना में लाते हैं और पहचानते हैं। अत: स्मरण प्रक्रिया के लिए पूर्व के अनुभव या पूर्व से सीखना आवश्यक है। कालान्तर में जब हम उन अनुभवों या शिक्षण को अपनी चेतना में लाते हैं या पुनर्स्मरण (Recall) करते हैं तो चेतना में लाने और पहचानने की मानसिक प्रक्रिया ही स्मरण कहलाती है।

स्मृति की परिभाषाएं (Definition of Memory)

स्मृति की परि >

1. स्टाउट (Stout) - "जहाँ तक आदर्श पुनरावृत्ति के मात्र पुनः उत्पादन होने का प्रश्न है, स्मृति को एक आदर्श पुनरावृत्ति कहा जा सकता है। आदर्श पुनरावृत्ति के इस उत्पादक पहलू के लिए पूर्व अनुभवों से सम्बन्धित वस्तुओं का जहाँ तक हो सके, उसी क्रम तथा ढंग से पुनः प्रकाश में आना आवश्यक है जिस क्रम तथा ढंग में वे पहले उपस्थित थी।

2. वुडवर्थ एवं मार्क्विस (Woodworth and Marquis) — "जो बात पहले सीखी जा चुकी है उसका याद रखना ही स्मृति है।

3. रायबर्न (Ryburn) - "अपने अनुभवों को संचित रखने और उनको प्राप्त करने के कुछ समय बाद चेतना के क्षेत्र में पुनः वापिस लाने की जो शक्ति इसमें होती है उसी को स्मृति कहते है।